आखिरकार बंद हुआ राजापेठ रेलवे फाटक मार्ग

शहर की सड़कें सिमटी, ट्रैफिक हुआ जाम , वाहन चालकों का सिरदर्द बढ़ा

अमरावती : रेलवे क्रासिंग गेट बंद के दौरान तैनात पुलिस कर्मी. व निर्माणकार्य में जुटे ठेका कर्मचारी.

प्रतिनिधि, 19 जून

अमरावती- बीते कुछ दिनों से अंबानगरी के प्रमुख मार्गों का कांक्रीटीकरण कार्य शुरू रहने से इन सड़कों से यातायात बड़े प्रमाण में प्रभावित हुआ है. ट्राफिक जाम में संजीवनी का कार्य राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद होने से हुआ है. इन दिनों ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो शहर की सड़कें सिमट सी गई हों. अंबानगरी में दौड़ने वाले वाहनों का बोझ उठाने में सड़कें नाकाम साबित हो रही हैं, जिससे जहां-तहां जाम की स्थिति दिखाई दे रही है. अनियोजित तरीके से कामकाज होने के कारण यह तस्वीर दिखाई दे रही है.वर्तमान में चौधरी चौक से विलास नगर, हमालपुरा से कांग्रेस नगर, इर्विन चौक से बाबा चौक, रेलवे स्टेशन से डिपो रोड, शिवटेकड़ी से पुलिस मुख्यालय आदि सड़कों का कांक्रीटीकरण का कार्य शुरू रहने से इन मार्गों से गुजरना तार पर कसरत के बराबर माना जा रहा है. इसमें राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग का गेट बंद होने से अंबानगरी दो हिस्सों में बंट गई है.विकास के तहत शहर में सड़क कांक्रीटीकरण का कार्य शुरू है. आने वाले समय में इन कार्यों का सकारात्मक परिणाम दिखाई देगा. लेकिन जिस तरीके से एक साथ सभी प्रमुख सड़कों का कार्य शुरू किया गया है यह शहरवासियों के लिए दुखदायी साबित हो रहा है. मंगलवार, 19 जून से राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद कर दोनों छोर से आवागमन बंद कर दिया गया है. जिसके कारण दस्तूर नगर, कंवर नगर, फर्शी स्टॉप, सुशील नगर, केडिया नगर, शंकर नगर, जलाराम नगर, कल्याण नगर, यशोदा नगर आदि क्षेत्र के नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद करने के पूर्व पर्यायी मार्ग देने की मांग की जा रही थी. लेकिन प्रशासन ने इस मांग को दरकिनार करते हुए अचानक क्रॉसिंग बंद कर दिया. जिसके कारण क्षेत्रवासियों में काफी रोष देखा जा रहा है. शहर के प्रमुख अस्पताल कंवर नगर रोड, सबनीस प्लॉट क्षेत्र में स्थित है. इन अस्पतालों में इलाज के लिए ग्रामीण क्षेत्र के मरीज भी बड़े प्रमाण में आते हैं. सीरियस मरीज को लाने-ले जाने के लिए एंबुलेंस की जरूरत पड़ती है. यह एंबुलेंस मरीजों को राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग से लेकर बड़े प्रमाण में जाते हैं. वर्तमान में गेट बंद होने से एंबुलेंस सेवा भी प्रभावित हुई है. साथ ही मरीजों के लिए भी यह गेट बंद होना दुखदायी साबित हो रहा है. गंभीर मरीजों के रिश्तेदारों में क्रॉसिंग गेट बंद होने से काफी रोष दिखाई दे रहा है. राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग पर उड़ान पुल निर्माण के लिए क्रॉसिंग गेट बंद करने का निर्णय लिया गया. हालांकि शुरूआती दौर में एक छोर से क्रॉसिंग से आवागमन शुरू था. उस समय ऐसा प्रतीत हो रहा था की प्रशासन द्वारा पर्यायी मार्ग की व्यवस्था करने के बाद ही क्रॉसिंग गेट बंद किया जाएगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं. राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद होने के पूर्व पर्यायी मार्ग की व्यवस्था करें, इस मांग को लेकर कुछ दिनों पूर्व राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग कृति समिति की ओर से आंदोलन भी किया गया. लेकिन उसका सार्थक परिणाम सामने नहीं आया. राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद होने से कारोबारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. दूसरी ओर गेट बंद होने से अंबानगरी दो हिस्सों में विभाजित सी हो गई है. दस्तूर नगर से किसी को अगर मुख्य बाजार में जाना है तो उसे बेलपुरा मार्ग से होते हुए चिचफैल से रेलवे स्टेशन चौक होते हुए रेलवे ब्रिज से जाना होगा. क्रॉसिंग गेट बंद होने से वाहन चालकों की यात्रा बढ़ गई है. वहीं शंकर नगर, केडिया नगर, सुशील नगर क्षेत्र के नागरिकों को नवाथे प्लाट अंडर पाथ वे से होकर गुजरना पड़ रहा है.

अचानक निर्णय

राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट से आवागमन दोनों छोर से अचानक मंगलवार को सुबह 9 बजे बंद किए जाने से नागरिकों में असमंजस निर्माण हुआ. प्रतिदिन इस मार्ग से आवागमन करने वालों के लिए यह मार्ग अचानक बंद होने से संकट के रूप में दिखाई दिया. जो कि नौकरीपेशा के लिए काफी दुखदायी साबित हुआ. शहर में कुछ ऐसे भी हैं खासकर नौकरीपेशा महिलाएं जिन्हें शहर की सड़कों का अधिक ज्ञान न रहने के कारण उन्हें मजबूरन लोगों से रास्ता पूछ-पूछकर उनके द्वारा बताए मार्गों से गुजरते हुए ऑफिस पहुंचना पड़ा, ऐसी परिस्थिति भी अचानक गेट बंद होने से निर्माण हुई. राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद हो गया, इसकी सूचना कुछ लोगों ने अपने परिचितों को फोन पर दी. राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट अचानक बंद होने से शहर में खलबली सी मची दिखाई दी.

शस्त्रधारी आरपीएफ व पुलिस बल तैनात

राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद होने से नागरिकों द्वारा विरोध किया जा सकता है. ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए रेल विभाग के शस्त्रधारी आरपीएफ व पुलिस बल यहां सुरक्षा के मद्देनजर तैनात हैं. राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग के पास 25 पुलिस सिपाही, 3 अधिकारी तथा आरपीएफ के 10 जवान व दो अधिकारी शस्त्र के साथ तैनात दिखाई दिए.

व्यापार हुआ चौपट

राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग समीप सब्जी बेचकर परिवार का उदर निर्वाह करने वाली मिनाक्षी वाटपांडे ने क्रॉसिंग गेट बंद होने के विषय पर कहा कि भविष्य में क्या होगा इसके विषय में पता नहीं, लेकिन आज इसके कारण व्यापार चौपट हो गया. 'रोज कमाओ रोज खाओ' वालों के लिए यह निर्णय दुखदायी है. परिवार का पालन पोषण कैसे करें, इसकी चिंता सता रही है.

पूर्व सूचना देना था

सब्जी विक्रेता सतीश ढोने ने बताया कि राजापेठ सब्जी मंडी में सब्जी बेचने का कार्य सालों से कर रहे हैं. रोजाना की तरह आज भी सुबह मार्केट से सब्जी खरीदकर लाए अचानक गेट बंद होने से यह सब्जियां बिकेंगी कि नहीं, यह सवाल निर्माण हुआ है. राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग पर उड़ान पुल बन रहा है यह अच्छी बात है, लेकिन क्रॉसिंग गेट बंद करने के पूर्व सूचना देनी थी, जो कि दी नहीं गई. हमारा जो नुकसान होगा उसकी भरपाई कौन करेगा.

पैदल चलने वालों को देना था मार्ग

श्रीकृष्ण पानमंदिर के संचालक राजेश गहलोद ने बताया कि राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग पर उड़ान पुल निर्माण करने की मांग वर्षों से की जा रही थी. अब जाकर उड़ान पुल निर्माण का कार्य शुरू हुआ है यह अच्छा निर्णय है, लेकिन नियोजन ठीक नहीं है. राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट से पैदल चलने वालों के लिए मार्ग देना था. निर्धारित अवधि में तेज गति से काम कर उड़ान पुल का निर्माण कार्य पूरा होना चाहिए. बस यही इच्छा है.

पर्यायी मार्ग जरूरी

क्षेत्र के नागरिक निकेश चव्हाण ने बताया कि राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग पर उड़ान पुल जरूरी है. यहां ट्रेन जाते समय घंटों जाम लग जाता था. लेकिन जिस तरीके से गेट को बंद कर काम किया जा रहा है यह नियोजन मेरी नजर में योग्य नहीं है. आवागमन के लिए पहले पर्यायी मार्ग की व्यवस्था करना था. अगर पर्यायी मार्ग की व्यवस्था करते तो इन तकलीफों का सामना न करना पड़ता. वर्तमान में परिस्थिति ऐसी है कि यहां से दिव्यागों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

भविष्य के लिए अच्छा निर्णय

स्थानीय निवासी दिनेश यादव ने कहा कि उड़ान पुल निर्माण भविष्य के लिए अच्छा निर्णय है. इस मार्ग रोजाना जाम लगा रहता था. उड़ान पुल बनने के बाद जाम की समस्या से निजात मिलेगी. लेकिन वर्तमान में इस मार्ग से पैदल आवागमन शुरू रखना था. निर्माण कार्य में नियोजन का अभाव दिखाई दे रहा है.

क्रॉसिंग गेट बंद होना बना दुखदायी

पार्वती नगर नं. 2 निवासी पं. सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि उन्हें पूजा-पाठ के लिए इसी मार्ग से आवागमन करना पड़ता है. दिन में 3-4 बार आते-जाते हैं. राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद होना दुखदायी साबित हो रहा है. पहले दिन ही भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा. यह परेशानियां अभी और कितने दिन सहनी पड़ेंगी, यह पता नहीं.

8 दिन का ईंधन 4 दिन में खत्म

विलास नगर निवासी मुन्ना गुप्ता ने बताया कि शहर के प्रमुख मार्गों का काम शुरू है. जिसके कारण यातायात में बाधा निर्माण हो रही है. उस पर राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद होने से तकलीफें और ज्यादा बढ़ी हैं. चारों ओर महंगाई का असर दिखाई दे रहा है. पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं. ऐसे में वाहनों से आवागमन की दूरियां बढ़ी हैं, जहां पहले चार किलोमीटर का सफर था वह 6 से 7 किमी पहुंचा है. इससे पेट्रोल की खपत भी बढ़ी है. वाहन चालकों की जेब पर घूमा फिराकर एक 'डाके' जैसा कृत्य है.

वाहन का इस्तेमाल बढ़ा

स्थानीय गुप्ता चाल निवासी पंकज साहू ने बताया कि राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग पर उड़ान पुल नितांत आवश्यक था. इसके पूर्व किसी कार्यवश राजापेठ चौक पर जाना पड़ता था तो पैदल ही चले जाता था, लेकिन राजापेठ रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद होने से व पैदल चलने वालों के लिए भी रास्ता न होने के कारण मजबूरन वाहन से रेलवे स्टेशन चौक से होते हुए जाना पड़ रहा है. प्रशासन उड़ान पुल निर्माण कार्य तेज गति से करें, यही मांग है.

'करो योग रहो निरोग' से गूंज उठा शहर

पतंजलि योग समिति का आयोजन,जनजागृति रैली ने किया आकर्षित

अमरावती: युवक जनजागृति रैली में सहभागी समिति के पदाधिकारी व रामदेवबाबा की वेषभुषा में युवा.

प्रतिनिधि, 19 जून

अमरावती- गुरुवार, 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाया जायेगा. इस उपलक्ष्य में मंगलवार को पतंजलि योग समिति की ओर से भव्य जनजागृति रैली निकाली गई. ह्लकरो योग रहो निरोगह्व, ह्यगांव-गांव जायेंगे, सबको योग सिखाएंगेह्व, ह्ययोग शुरू, भारत बनेगा विश्व गुरुह्व जैसे नारे लगाते हुए रैली में बड़ी संख्या में नागरिक सहभागी हुए थे.

राजापेठ समीप स्थित दीपार्चन हॉल से योग जनजागृति का शुभारंभ किया गया. गांधी चौक, राजकमल चौक, श्याम चौक, जयस्तंभ चौक, रेलवे ब्रिज से होते हुए यह रैली सायंस्कोर के मैदान पर पहुंची. जनजागृति रैली में एक ट्रैक्टर पर बाबा रामदेव की वेशभूषा में एक युवक सवार था. यह सजीव झांकी राहगीरों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी. रैली में महिलाओं की उपस्थिति उल्लेखनीय थी. रैली में सहभागी हाथ में भारत स्वाभिमान के ध्वज थामे चल रहे थे. योग का महत्व जन-जन तक पहुंचाना व योग द्वारा आरोग्य प्राप्त करने के उद्देश्य से यह रैली निकाली गई. शोभायात्रा के संयोजक योगेश राठी व ज्ञानेश्वर मोरे, अरविंद परदेसी के अलावा अशोक मुंधड़ा, नितिन सिरस्कर, छाया जंगले, योगेश राठी, बलवंत कोहले, रतिलाल सातपूते, वंदना पराते (बेंडे), कल्पना शेटे, सुधीर आसटकर, अनंत कावरे, हरिहर गिलोस्कर, अर्जुन कानतोले, सुरेंद्र गडवे, अनिकेत बुंधाडे, भीमराव सांगोले, रमेश नांदुरकर, सुरेश नांदुरकर, पंजाबराव ढवक, सुनील उमक, बालासाहब वैद्य, अरविंद परदेसी, ज्ञानेश्वर मोरे, शुभांगी डहाके, नंदा काले, मेघा वंदे, संध्या वैद्य, सौ. चौधरी, सौ. शेलके, नितिन जगताप, राहुल गजभिये, प्रतीक डवले, तुषार मिश्रा, जुगल ओझा, मंजूषा जाधव, दामिनी चिखलकर, रजनी हटवार, वर्षा जाधव, संतोष शर्मा आदि उपस्थित थे.

जयस्तंभ चौक पर बिस्किट व पानी का वितरण

योग जनजागृति रैली में सहभागियों में जयस्तंभ चौक पर जेसीआय सेंचुरियन के मयूर हेडा, मधुर झंवर, नीरज साबू, जितेश जाखोटिया व सहयोगी द्वारा बिस्किट व पानी का वितरण किया गया. समापन अवसर पर अशोक मुंधड़ा की ओर से नाश्ता वितरित किया गया.

पहले दिन शुभकामना कार्ड व चॉकलेट से बच्चों का स्वागत

सेंट फ्रांसिस हाईस्कूल का पहला दिन उत्साह से

प्रतिनिधि, 19 जून

अमरावती - स्थानीय सेंट फ्रांसिस हाईस्कूल में शाला के पहले दिन विद्यार्थियों का उत्साह के साथ स्वागत किया गया. इस समय शाला का प्रवेश द्वार रंगीन गुब्बारों से सजाया गया था. बारिश के गीत व बारिश के चित्र विद्यार्थियों की खुशियां दोगुनी करने में सहायक बने. शाला में पहुंचने के बाद क्लास टीचर्स ने विद्यार्थियों को शुभकामना कार्ड प्रदान कर स्वागत किया. नई कक्षा, नये शैक्षणिक वर्ष की खुशियां विद्यार्थियों के चेहरों पर नजर आ रही थीं. शाला संचालिका राज चौहान, ट्रस्टी हिना छाबड़ा, नीना बिसेन, हाईस्कूल की प्रधानाध्यापिका अर्चना मालानी, प्राथमिक की प्रधानाध्यापिका नीलिमा दांदले, मॉन्टेसरी की इन्चार्ज सुनिता नरणकर व सभी शिक्षक, नॉन टीचिंग स्टाफ के सहयोग से शाला के प्रथम दिवस की उत्साह से शुरूआत हुई.